



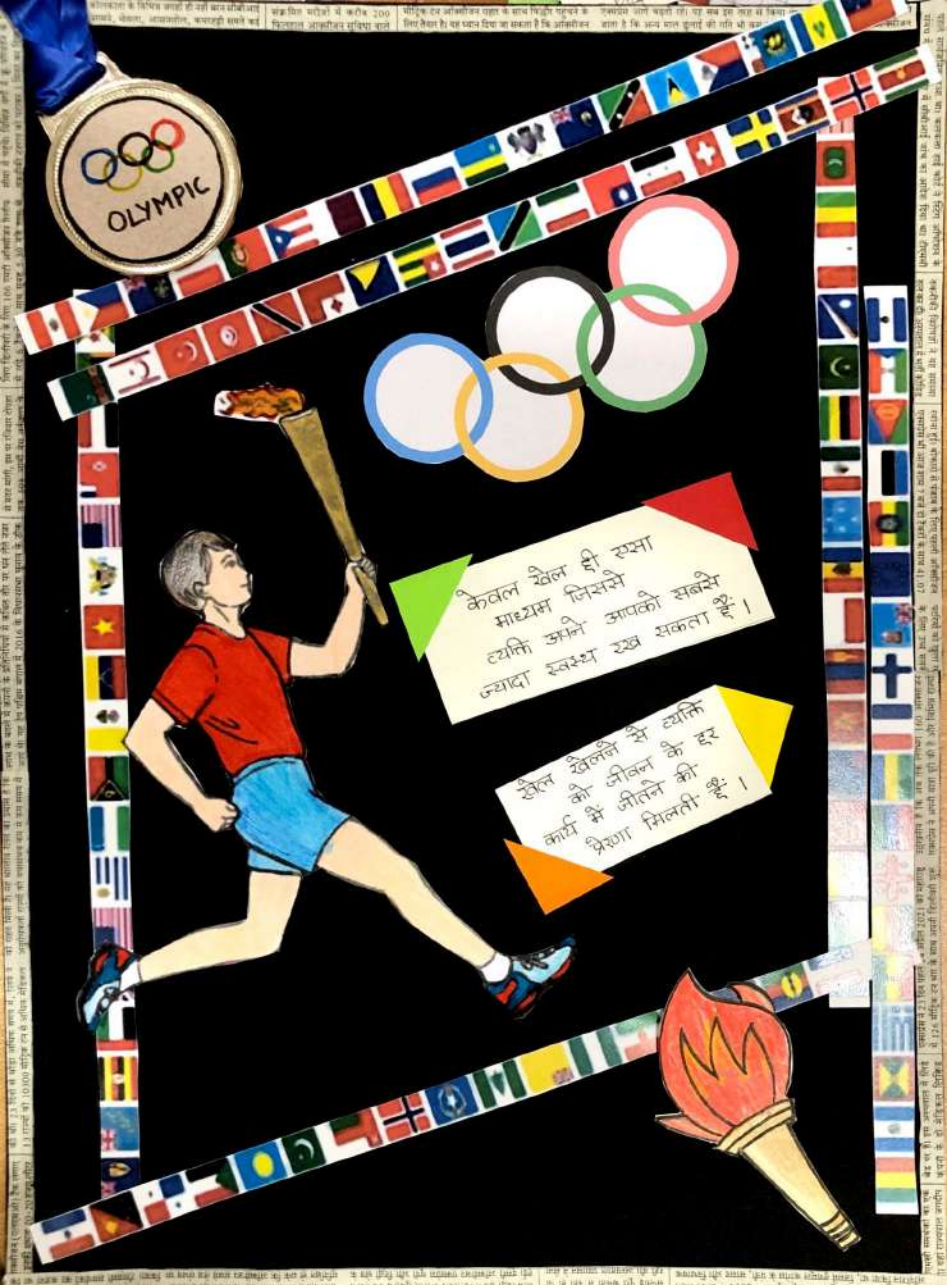
SUB... HINDI



ओलम्पिक  
खेलों का  
महाउत्सव

AAGHYA NATHANY  
CLASS - IV D





केवल खेल ही रखा  
माध्यम जिससे  
व्यक्ति सभी आपकी सबसे  
ज्यादा स्वस्थ रख सकता है।

खेल खेलने से व्यक्ति  
को जीवन के हर  
कार्य में जीतने की  
प्रेरणा मिलती है।





ऑलिंपिक में आयोजित होने वाले कुल बारह खेल ...



बैडमिंटन



तैराकी



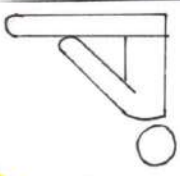
सथलेटिक्स



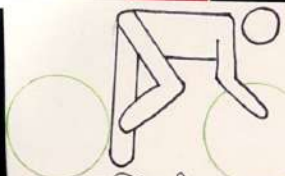
भारतोलन (वैटलिफिटा)



छुड़सवारी



शूटिंग



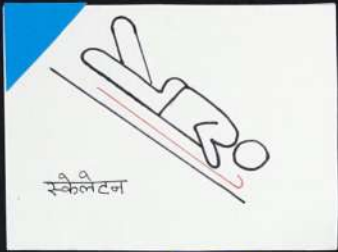
सायक्लिन्ग रीड



ओलिंपक में आयोजित होने वाले कुल बाव्ह खेल ...



जूडो



कैरट



स्की



बक्सिंग



स्नोबोर्ड





# साइरवैम मीराबाई चानू

साइरवैम मीराबाई चानू का जन्म 2 अगस्त 1994 को भारत के एक उत्तर पूर्वी मणिपुर की राजधानी इम्फाल में हुई थी। इसकी माता का नाम साइकोई कांगवी तोम्बी लीमा है जो पेशे में एक दुकानदार हैं वहीं उनके पिता का नाम साइकोई कुति मैतेई है जो एमड डिपार्टमेंट में नौकरी करते हैं। चानू ने 2014 गवर्नमन्ट खेल में 48 किग्रा ग्रेड में स्वर्ण जीता तथा बील्ड कोस्ट में हुए 2018 संस्करण में विश्व कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीता। चानू ने 24 जुलाई 2021 को ओलम्पिक में 49 किग्रा भार उठाते हुए, क्वीन ऑफ लिफ्ट पदक जीता। उन्होंने स्टीच में 175 किलोग्राम वजन तक तालिका में उठा कर स्वर्ण जीता। चानू ने 2021 किलोग्राम वजन तक तालिका में उठा कर स्वर्ण जीता। उन्हें खेल में गवर्नमेन्ट को तैयार करने का श्रेय दिया गया। कोविड द्वारा गैली खेल प्रस्कार से सम्मानित किया गया। टोक्यो ओलम्पिक 2021 में स्वर्ण पदक जीतने पर मणिपुर सरकार ने 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि एवं सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है।





# पी.टी. उषा



पी.टी. उषा का जन्म केरल के कौलिकोड जिले के पथोली ग्राम में हुआ था। १९०६ में केरल राज्य सरकार ने महिलाओं के लिए एक खेल विद्यालय खोला और उषा को अपने जिले का प्रतिनिधि चुना गया। १९७६ में उन्होंने राष्ट्रीय विद्यालय खेलों में भाग लिया, जहाँ जौहरा, नम्बियार का उनकी और चयनावधि हुई, वे अंत तक उनके प्रशिक्षक रहे। १९८० के मास्को ओलंपिक में उनकी शुरुआत कुछ खराब नाम पी.टी. उषा के पिता का नाम डी पी एम् पीतल है, खं गाता का नाम टी.वी. लक्ष्मी हैं। पी.टी. उषा का बचपन में बहुत स्वास्थ्य खराब था, लेकिन इन्होंने आठों प्राइमरी स्कूल के दिनों में अपनी रैल्थ सुधार ली, और लौडो को इनके अंदर एक महान अथलीट की छवि दिखाई देने लगी।

पी.टी. उषा ने अथलीट के तौर पर अपने अन्तरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत १९७० में क्वेंची में हुए पाकिस्तान ओपन नेशनल ग्रीट से की थी। इस अथलीट ग्रीट में पी.टी. उषा ने ५ गैल्ड मैडल भारत के नाम किये थे। १६ साल की इस ग्रीट में लक्ष्मी ने भारत का सर, दुखान मने लीं वाले देश पाकिस्तान में बहुत उँचा कूद दिया था। इसके बाद १९७२ में पी.टी. उषा ने 'वर्ल्ड जूनियर इन्वियेशन ग्रीट' में हिस्सा लिया, ३०० मीटर की रैस में उन्होंने गैल्ड मैडल अंब १०० मीटर की रैस में ब्रॉन मैडल जीता था।

- १९७७ में मेट्टयम में राज्य बीचक में एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।
- १९८० में मास्को ओलंपिक में हिस्सा लिया।
- पहली महिला अथलीट बनी जो ओलंपिक के फाइनल तक पहुँची।





# वर्षा पहिली



- उपर से नीचे
1. भारत की ओर से वर्गाकार चक्रे वाली टुकड़ी जिमलारट
  2. अर्जेंटिन की ओर से भारत की असीद
  3. पीरियड के क्षेत्र में उदार विधायी के अकारण भारत की असीद
  4. योद्ध के खेल में अर्जून के साथ कवचयव दृष्ट विधायी
  5. प्रत्यक्ष कवच के अकारण भारत को देवल देवियन में मेडल की असीद
  6. देवल देवियन की विधायी जो भारत की असीद
- उपर से बाएँ
7. पीरियड की ओर से अर्जून विधायी
  8. ओलम्प के खेल में देविका देवे वान पुष्प विधायी
  9. पंढर भारतीय युद्ध में एक
  10. अर्जेंटिन के खेल विधायी



पु	कु	भा	क	के	कु	म	र	द	हि	या
10	2	4.5	2	2	4.5	2	2	2	2	2

